कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (35) खण्ड - {69}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- किसको देखकर मैं बहुत खुश होता हूँ, क्योंकि वह फिर भी हमारी हमजिन्स हैं।

A- माताओं

B- कुमारियों

C- बुढ़ियों

D- ब्राह्मणों

प्रश्न 2- ..... घमण्डी तो परमात्मा को बिल्कुल नहीं जानते हैं ?

A- गुरु

B- साइंस

C- धन

D- शास्त्र

प्रश्न 3- प्रजापिता में जो ..... बैठा है, उनको तुम बाप कहते हो ?

A- निराकार

B- शिव

C- पिऊ

D- बिन्दु

प्रश्न 4- इस समय कौन गुप्त है ?

A- बाप

B- ज्ञान

C- शिव-शक्तियां

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन क्या है ?

A- निश्चय

B- ज्ञान

C- योग

D- पुरुषार्थ

प्रश्न 6- यह ब्राह्मण जीवन शुद्ध सम्बन्ध का जीवन है, माला की जीवन है। माला का अर्थ ही है.....।

A- पूजन योग्य

B- विजय रत्न

C- पारसमणि

D- संगठन

प्रश्न 7- स्वदर्शन चक्र फिराते, कमल पुष्प समान बनते,शंख ध्वनि करते तुम क्या बन जाओगे ?

A- विष्णु

B- फ़रिश्ता

C- देवता

D- नारायण

प्रश्न 8- इस समय हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण बने हैं। तुम क्या पढ़ते हो ?

A- सहजयोग

B- राजयोग

C- कर्मयोग

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- बाप ..... की गति समझाते हैं। रावण राज्य में जो भी कर्म मनुष्य करते हैं वह विकर्म बन जाते हैं ?

A- कर्म-अकर्म-विकर्म

B- अकर्म-विकर्म

C- कर्म-अकर्म

D- कर्म - विकर्म

प्रश्न 10- तुमको तो यहाँ प्रैक्टिस कराई जाती है। यह 84 जन्मों की सड़ी हुई खाल है, इनको कहा जाता है ?

A- काली

B- श्याम सुंदर

C- श्याम वर्ण

D- श्याम

प्रश्न 11- तुम बच्चे जानते हो बाबा आया हुआ है। पहले नम्बर में बाबा किसका भेद समझाते हैं।

A- भक्ति और ज्ञान

B- आत्मा और परमात्मा

C- पुजारी और पूज्य

D- सच और झूठ

प्रश्न 12- कहते भी हैं कि आत्मा स्टार भृकुटी के बीच रहती है। अब भृकुटी के बीच बड़ी चीज़ हो तो ..... हो जाए।

A- ट्यूमर

B- बीमारी

C- रसौली

D- पिट्यूटरी ग्रंथि

प्रश्न 13- सहज को मुश्किल बनाना और फिर थक जाना यह किसकी निशानी है ?

A- महारथियों की

B- घुड़सवार की

C- प्यादों की

D- अलबेलेपन की

प्रश्न 14- संगमयुग का अन्तिम स्वरूप कौन सा है ?

A- कर्मातीत

B- फ़रिश्ता

C- नष्टोमोहा

D- निराकारी

प्रश्न 15- मरजीवा बनना अर्थात् ?

A- जीते जी मर जाना

B- देह का भान आना

C- बोझ से मुक्त होना

D- सूक्ष्म रस्सियां तोड़ना

प्रश्न 16- भावुक आत्मायें सिर्फ कौन सी शक्ति से आगे बढ़ते रहते हैं ?

A- सहयोग की

B- प्रेम की

C- भावना की

D- स्नेह की

भाग (35) खण्ड {69} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.बुढियों*

बुढ़ियों को देखकर मैं बहुत खुश होता हूँ क्योंकि फिर भी हमारी हमजिन्स हैं। मैं मालिक बनूँ, हमजिन्स न बनें तो यह भी ठीक नहीं। बाप है अविनाशी ज्ञान सर्जन। ज्ञान इन्जेक्शन सतगुरू दिया अज्ञान अन्धेर विनाश। तुम्हारा अज्ञान दूर हो गया है।

उत्तर 2- *B.साइंस*

बाबा ने कहा है - मुझे याद करो और अपने मुक्तिधाम को याद करो। *साइंस घमण्डी तो परमात्मा को बिल्कुल नहीं जानते हैं।* बाप को तरस पड़ता है कि उन्हों के कानों में भी कुछ पड़ता रहे तो शिवबाबा को याद करें।

उत्तर 3- *C.पिऊ*

अभी तुम राही बने हो सोझरे में जाने लिए अथवा शान्तिधाम, पियरघर जाने लिए। वह है पावन पियरघर और यह है पतित पियरघर। *प्रजापिता में जो पिऊ बैठा है, उनको तुम बाप कहते हो।* वह तुमको पवित्र बनाकर अपने घर ले जाते हैं। पिता वह भी है, पिता यह भी है। वह है निराकार, यह है साकार।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

शिवशक्तियों ने भारत को स्वर्ग बनाया है, यह किसको पता नहीं। *बाप भी गुप्त, ज्ञान भी गुप्त और शिव-शक्तियां

भी गुप्त।* तुम चित्र लेकर किसी के भी घर में जा सकते हो। बोलो, तुम सेन्टर पर नहीं आते हो इसलिए हम तुम्हारे घर में आये हैं, तुमको सुखधाम का रास्ता बताने। तो वह समझेंगे यह हमारे शुभचिंतक हैं।

उत्तर 5- *A.निश्चय*

ब्राह्मण अर्थात् निश्चयबुद्धि और निश्चयबुद्धि अर्थात् विजयी। तो हर एक ब्राह्मण निश्चयबुद्धि कहाँ तक बने हैं और विजयी कहाँ तक बने हैं! क्योंकि *ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन है निश्चय और निश्चय का प्रमाण है विजय*।

उत्तर 6- *D. संगठन*

माला में आना है? चाहे 108 में आओ, चाहे 16,000 में आओ। लेकिन आना है वा नहीं? (हाँ जी) फिर अभी ब्राह्मण परिवार से क्यों घबराते हो? जब कोई बात होती है तो क्यों कहते हो हमारा तो बाबा है। बहनें क्या करेंगी, भाई क्या करेंगे? हमने भाई-बहनों से वायदा नहीं किया है, *लेकिन यह

ब्राह्मण जीवन शुद्ध सम्बन्ध का जीवन है, माला की जीवन है। माला का अर्थ ही है संगठन*।

उत्तर 7- *C.देवता*

स्वदर्शन चक्र देवताओं को नहीं है। यह तुमको है। परन्तु तुम तो सम्पूर्ण बने नहीं हो। तो निशानी देवताओं को दे दी है। *स्वदर्शन चक्र फिराते, कमल पुष्प समान बनते, शंखध्वनि करते तुम देवता बन जायेंगे।* शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा विष्णुपुरी स्थापन कर रहे हैं। यह बातें कोई की बुद्धि में नहीं हैं।

उत्तर 8- *B.राजयोग*

इस समय हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण बने हैं। तुम क्या पढ़ते हो? राजयोग। यह भी जानते हो हम फिर से राजयोग सीख रहे हैं और पढ़ने वाले कभी ऐसे नहीं कहेंगे कि हम फिर से पढ़ रहे हैं। यहाँ तुम बच्चों को निश्चय है कि हम फिर से राजयोग सीख रहे हैं। जो 5 हजार वर्ष पहले भी सीखा था।

उत्तर 9- *A.कर्म-अकर्म-विकर्म*

बाप कर्म-अकर्म-विकर्म की गति समझाते हैं। रावण राज्य में जो भी कर्म मनुष्य करते हैं वह विकर्म बन जाते हैं। बालिग अवस्था में ही हिसाब-किताब बनता है। छोटे बच्चे का कुछ जमा नहीं होता है। बच्चा बड़ा होता है तो उनके मॉ बाप काम कटारी पर चढ़ा देते हैं। यह भी कर्म विकर्म हुआ।

उत्तर 10- *D.श्याम*

बच्चे समझते हैं कि अब हम यह पुरानी खाल छोड़ घर जायेंगे। फिर स्वर्ग में समय पर पुराना शरीर छोड़ दूसरा लेते रहेंगे। सर्प तो बहुत बार खाल उतारता है। तुमको तो यहाँ प्रैक्टिस कराई जाती है। *यह 84 जन्मों की सड़ी हुई खाल है, इनको श्याम कहा जाता है।* चमड़ी (शरीर) काली तो आत्मा भी काली है। सोना 24 कैरेट होता है तो जेवर भी ऐसे बनते हैं।

उत्तर 11- *B.आत्मा और परमात्मा*

तुम बच्चे जानते हो बाबा आया हुआ है। *पहले नम्बर में बाबा आत्मा और परमात्मा का भेद समझाते हैं।* मनुष्य न तो आत्मा को और न परमात्मा को ही जानते हैं। तुम बच्चों ने जान लिया है - आत्मा और परमात्मा का रूप क्या है?

उत्तर 12- *A.ट्यूमर*

मन्दिरों में पूजा होती है - बनारस में बड़ा लिंग रखा हुआ है। उनकी सब पूजा करते हैं। कहते भी हैं कि आत्मा स्टार भृकुटी के बीच रहती है। *अब भृकुटी के बीच बड़ी चीज़ हो तो ट्युमर हो जाए।* यह समझने की बातें हैं।

उत्तर 13- *D.अलबेलेपन की*

बहादुर राजे सभी को अपने आर्डर से चलाते और राज्य प्राप्त करते हैं। तो *सहज को मुश्किल बनाना और फिर थक जाना, यह अलबेलेपन की निशानी है।* नाम राजा और आर्डर में कोई नहीं, इसको क्या कहा जायेगा। कई कहते हैं

ना मैंने समझा भी कि सहन शक्ति होनी चाहिए लेकिन पीछे याद आया।

उत्तर 14- *B.फरिश्ता*

सदा अपने को फरिश्ता अर्थात् डबल लाइट अनुभव करते हो? *इस संगमयुग का अन्तिम स्वरूप फरिश्ता है ना। * ब्राह्मण जीवन की प्राप्ति है ही फरिश्ता जीवन। फरिश्ता अर्थात् जिसका कोई देह और देह के सम्बन्ध में रिश्ता नहीं।

उत्तर 15- *C.बोझ से मुक्त होना*

बोझ वाली चीज़ को ऊपर कितना भी फेंको नीचे आ जायेगी। तो फरिश्ता माना हल्का, कोई बोझ नहीं। *मरजीवा बनना अर्थात् बोझ से मुक्त होना।* अगर थोड़ा भी कुछ रह गया तो जल्दी-जल्दी खत्म करो, नहीं तो जब समय की सीटी बजेगी तो सब उड़ने लगेंगे और बोझ वाले नीचे रह जायेंगे। बोझ वाले - उड़ने वालों को देखने वाले हो जायेंगे।

उत्तर 16- *B.प्रेम की*

ज्ञानी तू आत्मायें सदा स्वयं को बाप के साथ रहने वाले मास्टर सर्वशक्तिवान समझने से माया को पार कर लेते हैं। क्या, क्यों के गीत नहीं गाते। *भावुक आत्मायें सिर्फ प्रेम की शक्ति से आगे बढ़ते रहते है* माया से सामना करने की शक्ति नहीं होती।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (35) खण्ड - {70}

प्रश्न 1- श्रेष्ठ प्राप्ति के संगमयुग पर हर कदम यह स्लोगन सदा याद रखो कि-

A- "एक बाप दूसरा न कोई"

B- "अभी नहीं तो कभी नहीं"

C- "विजय हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है"

D- " बाबा ही मेरा संसार है"

प्रश्न 2- यह ऐसी गड़बड़ शाला है, जहां एक बार पांव रखा तो वह कौन सा खेल है जिसमें से फिर निकलना मुश्किल हो जाता ?

A- बाजोली का

B- कठपुतली का

C- ड्रामा का

D- भूल भुलैया का

प्रश्न 3- बाप के वा ब्राह्मणों के बोल यादगार रूप में क्या बन गये हैं जो लोग अभी भी दो वचन सुनने के लिए प्यासे रहते हैं ?

A- गीता

B- शास्त्र

C- वेद

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न -4 कुछ बच्चों के मुख से यही बोल निकलते हैं कि हमारा तो डायरेक्ट शिवबाबा से कनेक्शन है। संगदोष के कारण उनकी ..... हो जाती है ?

A- मंदबुद्धि

B- मूढ़बुद्धि

C- अल्पबुद्धि

D- मूर्ख

प्रश्न 5- यहाँ मुख्य बात है ही क्या ? जो आत्मा आइरन एज में आकर काली बन गई है - खाद पड़ गई है, उसको निकालना है ?

A- योग की

B- धारणा की

C- पवित्रता की

D- याद की

प्रश्न 6- भारत पवित्र से पवित्र खण्ड था। भारत को कहा जाता है - धर्म क्षेत्र। जितना यहाँ क्या होता है और कहीं नहीं होता ?

A- भक्ति

B- दान-पुण्य

C- पूजा - पाठ

D- कर्मकांड

प्रश्न 7- प्रदर्शनी में तो बहुत सुनेंगे, कुछ न कुछ बुद्धि में बैठेगा। आयेंगे भी वही जो कहां के रहने वाले होंगे ?

A- सतयुग

B- स्वर्ग

C- शांति धाम

D- सुख धाम

प्रश्न 8- कोई कितना भी अपने ..... छिपाने की कोशिश करे लेकिन छिप नहीं सकता। सजा जरूर भोगनी पड़ेगी ?

A- अपराध

B- पाप कर्म

C- विकर्म

D- विकार

प्रश्न 9- राम को कितने से कम मार्क्स मिली तो चन्द्रवंशी में चले गये ?

A- 20

B- 33

C- 75

D- 50

प्रश्न 10- सच्ची दिल पर साहेब राज़ी। अगर अन्दर शैतानी होगी तो विध्न डालते रहेंगे, तो फिर कड़ी सजायें खायेंगे।

किसको हमेशा कड़ी सजायें मिलती हैं ?

A- झूठों

B- पतित

C- ट्रेटर्स

D- मूर्खों

प्रश्न 11- भगवान खुद कहते हैं मैने पतित ..... में प्रवेश किया है, तब तो पावन बने।

A- शरीर

B- बूट

C- जुत्ती

D- आत्मा

प्रश्न 12- हम पियरघर से ससुराल घर जाते हैं। बाबा ने कहला भेजा था, कितने चत्ती वाला कपड़ा पहनो तो देह-अभिमान टूट जाए ?

A- 21

B- 108

C- 36

D- 8

प्रश्न 13- यह अनादि खेल बना हुआ है, इसमें हर एक पार्टधारी का पार्ट अपना-अपना है, एक का पार्ट दूसरे से नहीं मिल सकता, अतएव यह भी क्या है ?

A- कुदरत

B- खेल

C- ड्रामा

D- नियम प्रमाण

प्रश्न 14- तुम गृहस्थ व्यवहार में रहते एक बार संन्यास करते हो फिर 21 जन्म उनकी प्रालब्ध पाते हो। उन्हों का है हद का संन्यास, तुम्हारा है बेहद का संन्यास। तुम्हारे ..... का तो बहुत गायन है।

A- संन्यास

B- राजयोग

C- स्नेह

D- ज्ञान

प्रश्न 15- किससे तोड़ निभाना है, नफरत नहीं करनी है। कमल फूल समान रहना है। आस्तिक बन सबको आस्तिक बनाना है ?

A- कलियुग

B- गृहस्थ व्यवहार

C- छी छी दुनिया

D- पतित दुनिया

प्रश्न 16- गीता को किस धर्म का शास्त्र कहेंगे ?

A- हिन्दू

B- ब्राह्मण देवी-देवता धर्म

C- ब्राह्मण धर्म

D- उपरोक्त सभी

भाग (35) खण्ड {70} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.अभी नहीं तो कभी नहीं*

पाये हुए भाग्य को, मिले हुए भाग्य को अनुभव नहीं किया अर्थात् अभी महान भाग्यवान नहीं बने तो कब बनेंगे? *इस श्रेष्ठ प्राप्ति के संगमयुग पर हर कदम यह स्लोगन सदा याद रखो कि 'अब नहीं तो कब नहीं" समझा।*

उत्तर 2- *D.भूलभुलैया का*

द्वापर से तो गड़बड़ शालाओं में चक्र लगाते रहे। अब गड़बड़ शाला से निकल आये, अभी फिर कभी भी किसी भी प्रकार की गड़बड़ शाला में पांव नहीं रखना। *यह ऐसी गड़बड़ शाला है - एक बार पांव रखा तो भूल भुलैया का खेल

है।* फिर निकलना मुश्किल हो जाता इसलिए सदा एक रास्ता, एक में गड़बड़ नहीं होती।

उत्तर 3- *B.शास्त्र*

बाप के वा ब्राह्मणों के बोल यादगार रूप में शास्त्र बन गये हैं जो अभी भी दो वचन सुनने के लिए प्यासे रहते हैं। दो वचन सुनने से शान्ति का, सुख का अनुभव करने लगते हैं।आप भाग्यवान आत्माओं के श्रेष्ठ कर्म चरित्र के रूप में अब तक भी गाये जा रहे हैं।

उत्तर 4- *B.मूंढबुद्धि*

उनके मुख से यही बोल निकलते हैं कि हमारा तो डायरेक्ट शिवबाबा से कनेक्शन है। *संगदोष के कारण उनकी मूढ़बुद्धि हो जाती है।* सतगुरू का निंदक बन पड़ते हैं। जब कोई कहते हमारा डायरेक्ट कनेक्शन है तो उन्हें मुरली भी प्रेरणा से सुननी चाहिए। ऐसे निंदक बच्चे ठौर नहीं पाते। उनकी बुद्धि को माया ताला लगा देती है।

उत्तर 5 - *C.पवित्रता की*

स्टूडेन्ट का काम है जो नॉलेज मिलती है, उनको धारण करना। *यहाँ मुख्य बात है ही पवित्रता की।* आत्मा जो आइरन एज में आकर काली बन गई है - खाद पड़ गई है, उसको निकालना है।

उत्तर 6 - *B.दान-पुण्य*

भारत पवित्र से पवित्र खण्ड था। भारत को कहा जाता है - धर्म क्षेत्र। *दान-पुण्य जितना यहाँ होता है और कहीं नहीं होता।* यहाँ फिर से तुमको सारे विश्व के मालिकपने का वर्सा देते हैं।

उत्तर 7 - *B.स्वर्ग*

प्रदर्शनी में तो बहुत सुनेंगे, कुछ न कुछ बुद्धि में बैठेगा। *आयेंगे भी वही जो स्वर्ग में रहने वाले होंगे।* संन्यास धर्म वाले थोड़ेही आयेंगे। जो थोड़ा बहुत सुनेंगे वह तो प्रजा में आ ही जायेंगे।

उत्तर 8 - *B.पाप कर्म*

हर एक के कर्मों का हिसाब -किताब चुक्तू करवाने की कारोबार बड़ी वन्डरफुल और गुप्त है। *कोई कितना भी अपने पाप कर्म छिपाने की कोशिश करे लेकिन छिप नहीं सकता।* सजा जरूर भोगनी पड़ेगी।

उत्तर 9- *B.33*

बच्चों को निश्चय है कि हम नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनेंगे। फेल नहीं होंगे जो क्षत्रिय बनें। *राम को 33 से कम मार्क्स मिली तो चन्द्रवंशी में चले गये।*

उत्तर 10- *C.ट्रेटर्स*

याद रखना, सच्ची दिल पर साहेब राज़ी। अगर अन्दर शैतानी होगी तो विघ्न डालते रहेंगे। तो फिर कड़ी सजायें खायेंगे। *ट्रेटर्स को हमेशा कड़ी सजायें मिलती हैं,* यह तो सुप्रीम जज भी है।

उत्तर 11- *B.बूट*

बापदादा तो तुम बच्चों के सम्मुख हाजिर-नाज़िर है। तुम कहेंगे हमारी नज़र के सामने है। पतित बूट में आया है। *भगवान खुद कहते हैं मैने पतित बूट में प्रवेश किया है तब तो पावन बने।*

उत्तर 12- *B.108*

अभी हमको दीपावली की खुशी नहीं होती क्योंकि हम वनवास में हैं। हम पियरघर से ससुराल घर जाते हैं। *बाबा ने कहला भेजा था, 108 चत्ती वाला कपड़ा पहनो तो देह-अभिमान टूट जाये*।

उत्तर 13- *A.कुदरत*

मीठे बच्चे - यह अनादि खेल बना हुआ है, इसमें हर एक पार्टधारी का पार्ट अपना-अपना है, *एक का पार्ट दूसरे से नहीं मिल सकता, यह भी कुदरत है''*

उत्तर 14- *B.राजयोग*

तुम गृहस्थ व्यवहार में रहते एक बार संन्यास करते हो फिर 21 जन्म उनकी प्रालब्ध पाते हो। उन्हों का है हद का संन्यास, तुम्हारा है बेहद का संन्यास। *तुम्हारे राजयोग का तो बहुत गायन है।*

उत्तर 15- *B.गृहस्थ व्यवहार*

गृहस्थ व्यवहार से तोड़ निभाना है, नफरत नहीं करनी है। कमल फूल समान रहना है। आस्तिक बन सबको आस्तिक बनाना है।

उत्तर 16- *B.ब्राह्मण देवी देवता धर्म*

गीता शास्त्र है - ब्राह्मण देवी-देवता धर्म का शास्त्र। ब्राह्मण देवी-देवताए नम: कहा जाता है। इसे सिर्फ देवता धर्म का शास्त्र नहीं कहेंगे क्योंकि देवताओं में तो यह ज्ञान है ही

नहीं।